an>

Title: Need to construct a memorial in the name of Shri Bansidhar Shukla, the great freedom fighter from Uttar Pradesh.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : माननीय अध्यक्ष जी, भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में 9 अगस्त, 1942 का बड़ा महत्वपूर्ण स्थान है। अभी कल हमारी भारतीय जनता पार्टी ने एक तिरंगा यात्रा प्रारंभ की है। मैं इस अवसर पर अपने देश के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए अपने जिले के दो महत्वपूर्ण स्वतंत्रता सेनानियों के विÂषय में बात करना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष जी, मेरे जिले में श्री राजनारायण मिश्र जी का जन्म भीखमपुर में हुआ था जिनको 9 दिसम्बर, 1944 को लखनऊ जिला की जेल में फांसी दी गई थी। यहाँ उल्लेखनीय बात यह है कि 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन में केवल एक फाँसी हुई थी, वह श्री राजनारायण मिश्रा जी को हुई थी। पूरे देश में जो संपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन चला था, उसकी यह आखिरी फाँसी थी। दूसरे जो हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं, हमारे पंडित बंसीधर शुक्ला जी, जिनका जन्म लखीमपुर के मनौरा गाँव में हुआ था, वे अवधी के बहुत अच्छे कवि और साहित्यकार थे, तथा साथ-साथ स्वतंत्रता के आंदोलन में इनकी बहुत बड़ी भूमिका थी। माननीय महात्मा गांधी जी अपनी प्रार्थना सभाओं में इनके लिखे हुए गीतों को गाते थे। हम सब जानते हैं कि 'उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ तू सोवत है', यह पंडित बंसीधर शुक्ला का ही लिखा हुआ गीत है। उसके साथ-साथ सुभाÂष चन्द्र बोस जी की जो आज़ाद हिन्द फौज थी, उसका सेना गीत था 'कदम से कदम मिलाए जा, खुशी के गीत गाए जा, ये ज़िन्दगी है कौम की, तू कौम पर लुटाए जा', इसे लिखने वाले ऐसे जो हमारे अप्रतिम साहित्यकार थे, मैं लखीमपुर जिले का जनप्रतिनिधि होने के नाते चाहता हूँ कि उनका सम्मान हो और उसके लिए मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि नेशनल हाईवे 730-ए, जो राजनारायण मिश्र जी के गाँव से निकलता है, उसका नामकरण उनके नाम पर हो और वहाँ पर एक स्मारक द्वार बनाया जाए। उसके साथ-साथ पंडित वंशीधर शुक्ल जी के साहित्य का संरक्षण करते हुए उसका प्रकाशन हो। दोनों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ-साथ हमारे जिले के जो अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं, उनके लिए एक शहीद स्मारक बनाया जाए।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. SPEAKER : Shri Sudheer Gupta, Shri Sharad Tripathi, Shri Bhairon Prasad Mishra and Shri Rodmal Nagar is permitted to associate with the issue raised by Shri Ajay Misra Teni.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : रवनीत सिंह जी, एल्लीगेशन नहीं, आप अपनी बात बोलेंगे।

अब आप लोग आधा मिनट में अपनी बात करिए। एक मिनट भी बहुत ज्यादा होती है।